वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 225 शुक्रवार 12 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@... पेज 2

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

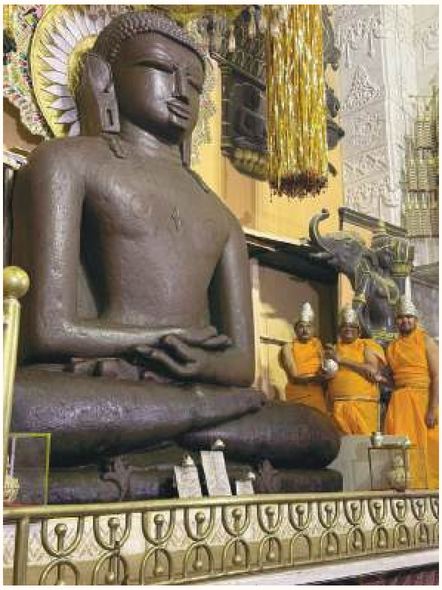

कुण्डलपुर, दमोह. शाबाश इंडिया। वीर सेवक मण्डल के अध्यक्ष महेश काला, प्रमुख समाज सेवी ध्रुव डांडिया तथा रितेश पाटनी एक दिवसीय यात्रा के अवसर पर कुंडलपुर के बड़े बाबा की शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मुलाकात

केंद्रीय मंत्री गडकरी से शिष्टाचार भेंट की

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। भारत के केंद्रीय मंत्री परम सम्माननीय नितिन गडकरी जी को आज अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच की कार्य योजना से अवगत कराते हुए नेपाल राष्ट्र में दिनांक 28 व 29 दिसंबर को होने वाले वैश्विक शांति समरसता सम्मेलन में काठमांडू में आमंत्रित किया गया। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी की जयंती समारोह समापन कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के शिक्षाविदों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। माननीय मंत्री जी ने भारत सरकार का संपूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया मंच के ग्लोबल एंबेसडर डॉ निर्मल जैन द्वारा शिष्टाचार भेंट वार्ता में भारत की शक्ति प्रतिष्ठा व पंचशील सिद्धांत को वैश्विक स्तर पर बढ़ने पर चर्चा की गई।

10वीं अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान सम्मेलन का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान अकादमी के द्वारा दसवीं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 11 से 13 दिसंबर 2025 तक राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित हो रही है। उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. अल्पना कटेजा, गेस्ट ऑफ ऑनर्स सारी एच नायबेर्ग,कॉन्फ्रेंस चेयरमैन प्रो. आनंद कुमार, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. क्रांति के. श्रीवास्तव, कांफ्रेंस डायरेक्टर, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय प्रो. प्रेरणा पुरी, संयोजक डॉ. चंद्रानी सेन और सह-संयोजक डॉ. ज्योति के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। सारी नायबेर्ग हेल्थ एंबेसडर ने बताया की एक लाख बच्चों को बेहतरीन स्वास्थ्य हासिल करने में मदद करने के लिए मिशन की शुरूआत की हैं प्रो. कटेजा ने बताया कि आज के समय में अच्छा स्वास्थ्य और समग्र कल्याण न केवल शारीरिक क्षमता का प्रतीक हैं बल्कि सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य का आधार भी है। प्रो. प्रेरणा पुरी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालय और कॉलेज से 500 से अधिक पंजीकरण दर्ज किए गए हैं इसके साथ ही 25 राज्य व 7 देश से आए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों,शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लिया है। तीन दिवसीय सम्मेलन में स्वास्थ्य मनोविज्ञान, मानसिक कल्याण,शोध पद्धतियों, मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेपों और वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों पर अनेक तकनीकी सत्र, पोस्ट प्रस्तुतियां, विशेषज्ञ व्याख्यान शामिल किए गए हैं। प्रो. आनंद नें अपने उद्बोधन मैं बताया कि भारतीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान अकादमी ने वर्ष 2015 से 2025 तक अपनी दस वर्ष की उल्लेखनीय यात्रा को पूरा करते हुए स्वास्थ्य मनोविज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।विशेषज्ञों ने कहा कि आधुनिक समय में स्वास्थ्य मनोविज्ञान की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है और ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंच ज्ञान एवं नवाचार के साझा आदान प्रदान के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

निमोला वार्षिक मेला 14 व 15 दिसंबर को

भगवान पार्श्वनाथ का 2902 वां जन्म कल्याणक एवं तप कल्याणक महोत्सव

निमोला. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र निमोला में भगवान पार्श्वनाथ का 2902 वां जन्म - तप कल्याणक महोत्सव वार्षिक उत्सव एवं भव्य रथ यात्रा के तहत दिनांक 14 व 15 दिसम्बर को विभिन्न मांगलिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। समिति के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया की दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत 14 दिसम्बर को प्रातः भगवान पार्श्वनाथ का नित्य अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन होगा तत्पश्चात पदम कुमार शांति बाई पारस कुमार अंकित कुमार मित्तल नैनवा परिवार द्वारा पद्मावती माता का पूजन कर पद्मावती माता को वेदी में विराजमान किया जाएगा स्वर्गीय श्रीमती विमला देवी की 21वीं पुण्य स्मृति के अवसर पर सोनी परिवार द्वारा नित्य पूजा पाठ संग्रह पुस्तक का विमोचन किया जाएगा दोपहर में पंडित मनोज शास्त्री संगीतकार कमलेश जैन के निर्देशन में कनक श्री महिला मंडल पुरानी टोंक एवं आदिनाथ महिला मंडल अमीरगंज नसिया टोंक के द्वारा शांति मंडल विधान की पूजा की जायेगी एवं सायंकाल 108 दीपको से भगवान पार्श्वनाथ की महाआरती एवं 48 रजत दीपक प्रज्वलित करते हुए भक्तामर जी के पाठ का आयोजन किया जाएगा रात्रि को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन संध्या का आयोजन होगा इसी दिन प्रातः पांच मंदिर पुरानी टोंक से विशाल पदयात्रा निमोला के लिए प्रस्थान करेगी पदयात्रा बमोर गेट नेहरू कॉलेज अनस्लैम स्कूल रिलायंस पेट्रोल पंप सोनवा अरनिया माल होते हुए निमोला पहुंचेगी पदयात्रा का मार्ग में श्रद्धालुओं के द्वारा जगह-जगह स्वागत किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष बाबूलाल जैन रानोली वालों ने बताया कि 15 दिसम्बर को भगवान पार्श्वनाथ का नित्य अभिषेक वृहद शांति धारा की जाएगी दोपहर में झंडारोहण किया जायेगा मध्यान्ह में भव्य रथ यात्रा शाही लवाजमे के साथ संपूर्ण निमोला ग्राम में निकाली जाएगी सायंकाल भगवान पार्श्वनाथ का स्वर्ण कलशों से वार्षिक कलशाभिषेक किया जाएगा उक्त समस्त क्रियाएं पंडित मनोज शास्त्री के सानिध्य में संपन्न होगी वार्षिक उत्सव के तहत संपूर्ण मंदिर परिसर को आकर्षक तरीके से सजाया जाएगा फ्लावर डेकोरेशन, लाइटों सहित जगमग रौशनी से बहुत ही सुंदर तरीके से मंदिर को सजाया जाएगा इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता हुकम चंद प्रेमदेवी मुख्य अतिथि सरोज नरेश बंसल जिला प्रमुख टोंक विशिष्ट

अतिथि राजेंद्र कुमार स्नेहलता झंडारोहण कर्ता प्रकाश चंद पटवारी पवन कुमार चित्र अनावरण करता महावीर प्रसाद प्रेमदेवी गोयल दीप प्रज्वलनकर्ता बाबूलाल मधुबाला जैन विधान पुण्यार्जक कनक श्री महिला मंडल पुरानी टोंक एवं आदिनाथ महिला मंडल टोंक होंगे निमोला वार्षिक मेले की पत्रिका के पुण्यार्जक हुकुमचंद पारसमल संजय कुमार जैन निवाई वाले हैं कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथिगण लक्ष्मी जैन पूर्व सभापति नगर परिषद टोंक संत कुमार जैन पूर्व सभापति नगर पालिका टोडारायसिंह इंजीनियर पी सी छाबड़ा महावीर प्रसाद प्रकाश सोनी कमलेश जैन नेमीचंद जैन ज्ञानचंद जैन श्यामलाल जैन धर्मचंद जैन होंगे।

मनोज्ञ एवं अतिशयकारी है भगवान पार्श्वनाथ

प्रकाश पटवारी ने बताया कि अतिशय क्षेत्र निमोला में भगवान पार्श्वनाथ की अत्यंत प्राचीन चतुर्थ कालीन विशाल मनोज्ञ एवं अनेक अतिशय प्रदर्शक प्रतिमा विराजमान है यह अतिशय क्षेत्र प्राचीन मनोज्ञ एवं निमोला गांव के मध्य में विद्यमान है इस क्षेत्र के अतिशय की महिमा का वर्णन नहीं किया जा सकता यहां विराजमान पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा महान आत्मा शांतिदाता एवं मनोवांछित कार्यों को पूर्ण करने वाली है जो व्यक्ति इस प्रतिमा के दर्शन शुद्ध भाव एवं श्रद्धा से करता है उसके सभी मनोरथ कार्य पूर्ण होते हैं अध्यक्ष बाबूलाल जैन ने वार्षिक मेले में सभी को सपरिवार पधार कर दर्शन कर पुण्य अर्जन करने का निवेदन किया इस अवसर पर आसपास के क्षेत्र से निःशुल्क बसो की व्यवस्था की गई है दोनों दिन समाज के सामूहिक भोज का आयोजन भी रखा गया है।

केंद्रीय मंत्री जुअल ओराम जी से डॉ निर्मल जैन ने शिष्टाचार भेंट की

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

आज दिनांक 11 दिसंबर 2025 को भारत की राजधानी नई दिल्ली में भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री जुअल ओराम जी से अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच के ग्लोबल एम्बेसडर डॉ निर्मल जैन ने शिष्टाचार भेंट कर नेपाल राष्ट्र में आयोजित होने वाले दिनांक 28 व 29 दिसंबर को कार्यक्रम का निमंत्रण देकर अभिनंदन किया गया माननीय मंत्री जी ने निमंत्रण स्वीकार कर नेपाल में आगमन करने की स्वीकृति प्रदान की।

ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.) को सामाजिक सेवा कार्यों हेतु विशेष सम्मान

भारतीय मीडिया परिषद (रजि.) ने Guest of Honour के रूप में किया सम्मानित

जयपुर। ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.) द्वारा किए जा रहे निरंतर सामाजिक सेवा कार्यों को उच्च मान्यता देते हुए भारतीय मीडिया परिषद (रजि.) ने संस्था को Guest of Honour के रूप में विशेष सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान फाउंडेशन के मानव सेवा, समाज upliftment और सकारात्मक परिवर्तन के प्रति समर्पित प्रयासों का प्रतीक माना जा रहा है। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर ने बताया कि ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.) लंबे समय से विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्यरत है, जिनमें मुख्यतः आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविरपक्षियों व पशुओं के लिए आहार, पानी और देखभाल की व्यवस्था वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान, सामाजिक जागरूकता एवं मानवता-सशक्तिकरण कार्यक्रम,अंगदान प्रोत्साहन, शिक्षा सहयोग एवं मानवीय सहायता के विविध प्रयाससंस्था के इन सतत सामाजिक कार्यों ने समाज में सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया है।कोषाध्यक्ष मनीषा जैन ने यह संकल्प दोहराया है कि वह आने वाले समय में भी मानव सेवा और सामाजिक उत्थान के लिए अपने प्रयासों को और अधिक समर्पण एवं ऊर्जा के साथ जारी रखेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल महोत्सव 12 दिसंबर को दिल्ली में

लोकसभा अध्यक्ष से लेकर बाबा रामदेव, प. धीरेन्द्र शास्त्री सहित तमाम हस्तियां होंगी शामिल

नई दिल्ली

''हर मास एक उपवास'' पर आधारित अंतर्मना धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट तथा पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में भारत मंडपम, नई दिल्ली में द्विदिवसीय 12 - 13 दिसंबर को विश्वस्तरीय जनमंगल महोत्सव का भव्य और एतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। यह अद्भुत महोत्सव तपस्वी सम्राट, साधना महोदधी, अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के सानिध्य एवं संरक्षण में किया जा रहा है। जिसमें विशेष रूप से विश्व विख्यात योग ऋषि बाबा रामदेव भी अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। यह कार्यक्रम बनेगा आध्यात्मिक अनुभूतियों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अद्भुत संगम। कार्यक्रम को दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। पहले दिन 12 दिसंबर को कार्यक्रम का शुभारंभ इस युग के महावीर महामुनि प्रसन्न सागर जी महाराज तथा बाबा रामदेव के सानिध्य में

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी के आतिथ्य में होगा जिसमें केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भूपेंद्र यादव, दिल्ली सीएम श्रीमती रेखा गुप्ता सहित तमाम अन्य संत और सिद्ध विभूतियां विशिष्ट अतिथियों के रूप में शामिल रहेंगे।

हर मास एक उपवास के महत्व पर होंगें अंतर्मना के प्रवचन

तपाचार्य अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ने सबसे कठिन उत्कृष्ट सिंह निष्क्रीडित व्रत सम्पन्न कर इतिहास रच दिया हैं। उन्होंने ये घनघोर तपस्या जनकल्याण के लिए की है। गौरतलब है कि अंतर्मना ने उत्कृष्ट सिंह निष्क्रीड़ित व्रत 557 दिन की अखण्ड मौन व्रत साधना की है जिसमें 496 उपवास और मात्र 61 पारणाएँ शामिल हैं। इस व्रत के फलस्वरूप मनुष्य वज्र वृषभ नाराच संहनन का धारक, अनन्तवीर्य से सम्पन्न, सिंह के समान निर्भय और अणिमा आदि गुणों से युक्त होता हुआ शीघ्र ही सिद्ध हो जाता है। भगवान महावीर के जीव ''नन्दन'' मुनिराज के भव में कनकावली, रत्नावली, मुक्तावली और सिंह निष्क्रीड़ित आदि अनेकों व्रतों का अनुष्ठान किया था। उसी प्रकार भगवान के नेमिनाथ के जीव ने भी तीर्थंकर से तृतीय भव पूर्व 'सुप्रतिष्ठ' मुनिराज की अवस्था में इन कनकावली आदि अनेकों व्रतों का अनुष्ठान किया था और आज तक बहुत से महापुरुष इन व्रतों का अनुष्ठान करते रहे हैं। भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण के 2600 वर्षों के बाद सम्मेदशिखर जी की स्वर्णभद्र कूट की पावन भूमि पर 557 दिन की सिंहनिष्क्रीड़ित व्रत की कठोरतम अखण्ड मौन एकान्तवास की महासाधना करने वाले अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज के सानिध्य में व्रत के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला जाएगा। जनमंगल महोत्सव का केन्द्रीय विषय भी इसलिए हर मास एक उपवास रखा गया है ताकि उपवास का हमारे भौतिक आध्यात्मिक जीवन पर जो प्रभाव पड़ता है उस पर गहराई से चिंतन हो, जिसका लाभ सभी को मिले। 12 दिसंबर को उद्घाटन के साथ ही पूरे दिन के कार्यक्रम को विभिन्न सत्रों में विभाजित किया गया है। जनमंगल की समयग्दृष्टि : स्वदेशी चिंतन, योग, ध्यान और उपवास पर आधारित इस विशेष कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों के माध्यम से तप साधना और उपवास जैसे विषयों में विभाजित किया गया है। इन सत्रों में अंतर्मना के आशीर्वाद के साथ-साथ तमाम साधक अपने अनुभव भी साझा करेंगे। दो दिवसीय आयोजन में 13 दिसंबर को योग एवं प्राणायाम पर आधारित विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिसमें योग संबंधी क्रिया तथा योग से होने वाले विभिन्न शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ-साथ प्राणायाम क्रिया से जीवन में क्या परिवर्तन आते हैं, इस पर विशेष तौर पर चर्चा की जाएगी। इन सत्रों में भी देश और विदेश से आए विभिन्न साधक और विशेषज्ञ अपने विचार व्यक्त करेंगे। दो दिवसीय जनमंगल महोत्सव में आध्यात्मिक योग और राजनीतिक क्षेत्र की विभिन्न विभूतियों के सम्मिलित होने का समाचार है इस दो दिवसीय कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के साथ-साथ मुनि श्री पीयूष सागर महाराज, बाबा बागेश्वर प.धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, बाबा बालक राम, पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण, पूज्य ज्ञानानंद जी महाराज, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भूपेंद्र यादव दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, प्रवेश वर्मा, सांसद बांसुरी स्वराज, सुधांशु त्रिवेदी, जाने-माने पत्रकार रजत शर्मा, बाबा सत्यनारायण मौर्य आदि सम्मिलित होंगे।

नरेंद्र अजमेरा
पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

दृष्टिहीन दिव्यांगों के लिए रसद सामग्री भेंट की

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर एवं श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर के तत्वावधान में आदर्श नगर क्षेत्र में स्थापित दृष्टि बाधित सशक्तिकरण सम्मेलन के अंतर्गत कार्य कर रही संस्था रिकॉर्डिंग क्लब जहां 10 नेत्रहीन दिव्यांगो का आवासीय शैक्षणिक केंद्र है के लिए एक माह की खाद्य सामग्री समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के मुख्य आथित्य में एवं समाजसेवी संरक्षक राकेश पालीवाल के सहयोग से भेंट की गई। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने बताया कि दृष्टिहीन बच्चों हेतु खाद्य सामग्री में तेल एक पीपा शक्कर 20 किलो, चाय की पत्ती सभी प्रकार की दाले एवं दलहन सोयाबीन, मांगोड़ी, मसाले, गुड आदि भेंट किए गए रिकार्डिंग ग्रुप की व्यवस्थापक वंदना शर्मा,शिक्षिका जयवती आसबानी ने सेवा सहयोगियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

वेद ज्ञान

बढ़ रहा प्रकृति का शोषण

भारतीय ज्ञान परंपरा, उसके ग्रंथ और ज्ञानार्जन के लिए विकसित गुरुकुल प्रणाली से सामान्य परिचय भी मनुष्य और प्रकृति के बीच के संवेदनशील संबंधों को उजागर ही नहीं करता है, वरन उसे बनाए रखने का उत्तरदायित्व भी मनुष्य को ही स्पष्ट रूप से सौंपता है। लोग इन संबंधों के महत्व को धीरे-धीरे भूलते गए, प्रकृति का शोषण लगातार बढ़ता गया कि उसकी क्षतिपूर्ति असंभव होती गई। भारत की ज्ञानार्जन परंपरा और उसके प्राचीन ग्रंथों में प्रकृति और मनुष्य के संबंधों को विस्तार से वर्णित किया गया था और अपेक्षा तो यही की जा सकती थी कि भारत प्रकृति के दोहन में स्वयं कभी भागीदार नहीं होगा, परंतु स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रगति और विकास की दौड़ में पश्चिमी देशों की नकल के फेर में पड़कर भारत अपने उत्तरदायित्व से विमुख हो गया। इसे रोकने में वास्तव में भारत को नेतृत्व प्रदान करना था, मगर भौतिकता की चकाचौंध में भारतीयों ने स्वयं भी वही किया जो अन्य लोग कर रहे थे। परिणामस्वरूप आज पूरी दुनिया विनाश के मोड़ पर आकर खड़ी हो गई है। अब वैश्विक स्तर पर यह माना जा रहा है कि स्थिति को बदलने के लिए सबसे पहले ऐसी शिक्षा को हर व्यक्तिगत पहुंचाना होगा जिसके द्वारा हर व्यक्ति को समाज तथा परिवार और स्वयं अपने लिए अनुशासन और मान्यताओं का बोध हो जिससे प्रकृति का शोषण न हो। यह भी जानना है कि वे कौन से मूल्य और कौशल हैं जिनको अपनाकर विकास की प्रक्रिया भी जारी रखी जाए, मगर उसमें आधार सततता बने न कि वह बेलगाम हो जाए और उसकी दिशा विनाश की ओर मुड़ जाए! इस समय शिक्षाविदों, चिंतकों तथा विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों के समक्ष ऐसी शिक्षा व्यवस्था की संकल्पना को साकार रूप देने की आवश्यकता है जो विकास और प्रगति को सततता का सुदृढ़ आधार प्रदान कर सके। इसके लिए प्राचीन भारत के मनीषियों ने जो दर्शन दिया था उसका पुनः अध्ययन तथा चिंतन आवश्यक है। वह आज भी अपना महत्व रखता है। इसे विश्वव्यापी चर्चा में लाने के लिए प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति के उन तत्वों के अंतर्निहित महत्व को समझाने का समय आ गया है जिनमें पेड़-पौधे, जीव-जंतुओं, नदियों-पहाड़ों-जंगलों में देवत्व देखने की बात कही गई थी।

संपादकीय

भारत की आंतरिक सुरक्षा पर सिमटता हुआ घाव

भारत की आंतरिक सुरक्षा पर विमर्श करते समय नक्सलवाद हमेशा एक पुराने, गहरे घाव की तरह सामने आता है एक ऐसा घाव जिसने दशकों तक राज्य की क्षमता, विकास की रफ्तार और सामाजिक संरचना को भीतर ही भीतर क्षीण किया। सत्तर और अस्सी के दशक में यह आंदोलन सामाजिक न्याय की भाषा में जन्मा था, परन्तु धीरे-धीरे एक हिंसक उग्रवाद में बदल गया, जिसने उन आदिवासी समुदायों को ही सर्वाधिक नुकसान पहुंचाया जिनके नाम पर इसकी विचारधारा खड़ी की गई थी। 2004 से 2014 का दशक नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए सबसे कठिन दौर रहा। इस समय सरकारी योजनाएं कागज पर तो थीं, लेकिन शासन की पहुंच उन इलाकों तक नहीं थी जहां उसकी सर्वाधिक आवश्यकता थी। सुरक्षा बलों को राजनीतिक स्तर से मिले विरोधाभासी संदेशों ने भ्रमित किया और केंद्र-राज्य समन्वय के अभाव ने स्थिति को और बिगाड़ दिया। परिणामस्वरूप कई जिलों में प्रशासनिक उपस्थिति लगभग समाप्त हो गई। स्कूल जलाए गए, स्वास्थ्य केंद्र ध्वस्त हुए और ग्रामीण अर्थव्यवस्था जड़ हो गई। मनरेगा जैसी योजनाएं सुरक्षा के अभाव में निष्प्रभावी हो गईं और गांवों ने धीरे-धीरे यह मान लिया कि सरकार उनसे दूर, लगभग अनुपस्थित है। ऑपरेशन ग्रीन हंट जैसे प्रयासों के बावजूद रणनीतिक दिशा और स्थानीय साझेदारी के अभाव ने इन्हें सीमित सफलता ही दिलाई। दंतेवाड़ा जैसे हमलों ने स्पष्ट कर दिया कि अतिरिक्त बल भेज देना ही समाधान नहीं, बल्कि इसके लिए गहरी योजना, विश्वसनीय खुफिया तंत्र और समुदाय के साथ विश्वास निर्माण आवश्यक है जो उस दौर में अनुपस्थित रहा। इसी बीच नक्सलियों ने पंचायत भवनों, स्कूलों और सार्वजनिक संस्थानों पर हमले करके यह सुनिश्चित किया कि राज्य की छाया तक न पहुंच सके। 2014 के बाद परिदृश्य में आया परिवर्तन केवल नेतृत्व परिवर्तन का परिणाम नहीं, बल्कि दृष्टिकोण के पुनर्गठन का संकेत था। मोदी सरकार ने नक्सलवाद को केवल सुरक्षा समस्या नहीं माना, बल्कि इसे विकास, विश्वास और प्रशासनिक पहुंच का सम्मिलित संकट समझा। इसी आधार पर एक बहु-स्तरीय राष्ट्रीय नीति ढांचा तैयार किया गया जिसमें सुरक्षा, विकास, क्षमता निर्माण और पुनर्वास चारों आयामों को समान महत्व दिया गया। सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए नए कैंप, फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन, सड़कें, पुल, हेलिपैड और निगरानी तकनीक स्थापित की गईं। इनसे सुरक्षा बलों की गहरी पहुंच बनी और पहली बार विकास के लिए स्थिर वातावरण तैयार हुआ। हजारों किलोमीटर सड़क निर्माण, मोबाइल टावर, बैंक शाखाएं, विद्यालयों और आवासीय केंद्रों का पुनर्निर्माण इन सभी ने आदिवासी क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा और यह एहसास कराया कि सरकार केवल फाइलों में नहीं, बल्कि उनके जीवन में उपस्थित है। सबसे मानवीय पहलू रहा आत्मसमर्पण व पुनर्वास मॉडल। आवास, शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, नकद सहायता और सम्मानजनक रोजगार ने हिंसा छोड़ने वालों को नई दिशा दी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

दीपावली विश्व धरोहर घोषित

ललित गर्ग

यूनेस्को द्वारा दीपावली को अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक चेतना का ऐतिहासिक क्षण है। यह केवल भारतीयों के गौरव का विषय नहीं, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि भारतीय सभ्यता की आत्मा आज भी वैश्विक मानवता का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखती है। दीपावली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जीवन, आत्मा, समरसता, करुणा और विश्वबंधुत्व का प्रकाशग्रंथ है, जो हजारों वर्षों से मानव को अंधकार से प्रकाश, अज्ञान से ज्ञान और भय से विश्वास की ओर ले जाता आया है। भारतीय संस्कृति केवल शास्त्रों, अनुष्ठानों और उत्सवों में ही नहीं, बल्कि मनुष्य की संवेदना, आस्था और जीवन व्यवहार में प्रवाहित होती है। इसी कारण इसे अमूर्त कहा जाता है अदृश्य, पर बेहद जीवंत। दीपावली इसी जीवंत सांस्कृतिक चेतना का सर्वोच्च उत्सव है। अयोध्या की रामपैड़ी पर 26 लाख से अधिक दीप एक साथ प्रज्वलित हुए तो वह दृश्य केवल दीयों का समुद्र नहीं था, बल्कि भारत की आध्यात्मिक रोशनी का वैश्विक उद्घोष था। यूनेस्को का निर्णय इसी सांस्कृतिक प्रकाश-यात्रा की स्वाभाविक परिणति है। दीपावली का केंद्र पूजा-पाठ भर नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है। यह पर्व स्मरण कराता है कि हर संकट के भीतर एक नया दीप जलने की संभावना छिपी होती है। हिंदू, जैन, बौद्ध तथा सिख परंपराओं में इसके अलग आयाम हैं, पर संदेश एक प्रकाश ही मानवता का मार्ग है। इसी कारण अब दीपावली को विश्व स्तर पर उस नैतिक और आध्यात्मिक परंपरा के रूप में स्वीकार किया जा रहा है, जो मानवता को जोड़ती है। भारत की अमूर्त धरोहरें योग, कुंभ, रामलीला, दुर्गा पूजा, वैदिक मंत्रोच्चार पहले ही यूनेस्को सूची में शामिल हैं। दीपावली का जुड़ना इस सांस्कृतिक विलय को और उज्ज्वल बनाता है। यह त्योहार सामाजिक आर्थिक संरचना को भी गहरा संदेश देता है। एक कुम्हार का साधारण दिया करोड़ों घरों को रोशन करता है; एक छोटे व्यापारी से लेकर बड़े उद्योग तक, दीपावली सबको समान अवसर का उत्सव बनाती है। यह बताती है कि समाज तभी प्रकाशवान बनता है जब प्रकाश सबसे दूरस्थ जीवन तक पहुंचे। आज दुनिया युद्ध, विभाजन, तनाव और मानसिक अंधकार से जूझ रही है। ऐसे समय में दीपावली का संदेश पहले से अधिक प्रासंगिक है कि एक छोटी सी लौ भी अंधकार को चुनौती दे सकती है। भारत ने सदियों से शांति, सद्भाव और नैतिक साहस का संदेश दिया है। दीपावली इसी सत्य का मूर्त प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सांस्कृतिक कूटनीति ने योग, आयुर्वेद, भारतीय ग्रंथों एवं त्योहारों को वैश्विक पहचान दी है। वसुधैव कुटुंबकम् को वैश्विक विमर्श का केंद्र बनाने की दृष्टि ने भारत की सॉफ्ट पावर को नई मजबूती दी। दीपावली का यह वैश्विक सम्मान उसी विचारधारा का विस्तार है, क्योंकि यह पर्व बताता है कि दुनिया एक है और आनंद व करुणा साझा मूल्य हैं। दीपावली केवल आध्यात्मिक पर्व नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक शुद्धि का अवसर भी है मन की धूल झाड़कर नयी आशा जगाने का क्षण। इसे विश्व धरोहर घोषित करना मानवता के आध्यात्मिक भविष्य का सम्मान है। वैश्वीकरण ने तकनीकी दूरी मिटाई, पर मानसिक विभाजन बढ़ाया है। ऐसे में भारतीय परंपराएं सभ्यताओं के बीच पुल का कार्य करती हैं, यह बताती हैं कि विकास के साथ मूल्य और संवेदना भी आवश्यक हैं। यूनेस्को की इस स्वीकृति के बाद दीपावली अब केवल भारत का त्योहार नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिक चेतना का प्रतीक है।

शिक्षा का उद्देश्य अर्थोपार्जन नहीं ज्ञानार्जन भी होना चाहिए

सिद्ध चक्र मंडल विधान में योग सागर जी के मंगल प्रवचन

राघौगढ़. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी राघौगढ़ में चल रहे श्री सिद्ध चक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के पांचवें दिन आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य ज्येष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक मुनि योग सागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन करते हुए कहा पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में हम हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को भूल गए हैं। भारत में कान्वेंट प्राइवेट स्कूल खुल गए हैं जो शिक्षा के साथ-साथ धर्म परिवर्तन भी करा रहे हैं। शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य अर्थ उपार्जन हो गया है। जबकि शिक्षा का उद्देश्य ज्ञानार्जन एवं आध्यात्मिक की होना चाहिए। हमें ऐसी शिक्षा देना चाहिए जो नौकरी देकर गुलाम न बनाये बल्कि स्वावलंबी बनकर दूसरों को रोजगार दे। इसी भावना को ध्यान में रखकर आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज ने बालिकाओं को शिक्षित एवं सुसंस्कृत करने के उद्देश्य से देश में प्रतिभा स्थली की स्थापना की है। डोंगरगढ़, रामटेक, ललितपुर, जबलपुर एवं इंदौर, मैं प्रतिभास्थली की स्थापना की गई है। प्रतिभास्थली में बालिकाओं को लौकिक शिक्षा देश की मातृभाषा हिंदी में दी जाती है उन्हें संस्कार मां बनाया जा रहा है। संघस्थ मुनि निरामह सागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन करते हुए कहा इस शदी के महान संत आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज की त्याग और तपस्या अनुकरणीय है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें उनका आशीर्वाद मिला है। प्रतिभास्थली इंदौर से आई ब्रह्मचारिणी सोनाली दीदी, ब्रह्मचारिणी अंजलि दीदी एवं ब्रह्मचारिणी आयुषी दीदी ने प्रतिभास्थली इंदौर जो की आचार्य गुरु विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से संचालित है इस कन्या आवासीय विद्यालय की विशेषताओं का विस्तार से उल्लेख किया और प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रतिभास्थली की शिक्षण आवास एवं भोजन व्यवस्था का प्रदर्शन किया। आपने समाज को आव्हान किया अपनी बालिकाओं को सुसंस्कारित बनाने उनका प्रवेश प्रतिभा स्थली में कराये। आपने कहा मुनि निर्लेप सागर जी महाराज जो कि राघौगढ़ नगर गौरव है उनके गृहस्थ जीवन के पिताजी अनिल कुमार रावत हमारे संरक्षक हैं इंदौर प्रतिभास्थली की सभी 45 दीदियां इन्हें पिताजी कह कर पुकारती है। भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक एवं जैन समाज ट्रस्ट कमेटी के मार्गदर्शक मंडल के वरिष्ठ सदस्य विजय कुमार जैन ने सिद्ध चक्र मंडल विधान के पांच में दोनों पांचवें दिन के धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया प्रातः 7:00 बजे से भगवान का अभिषेक शांति धारा एवं नव देवता पूजन हुई तत्पश्चात श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान की पूजन हुई एवं सिद्ध भगवान के गुणानुवाद करते हुए 256 अर्घ अर्पित किए गए। शाम 5:15 बजे उन्हें संघ के पावन सानिध्य में आचार्य भक्ति हुई रात्रि ठीक 7:30 बजे से आरती भक्ति हुई रात्रि 8:00 बजे बाल ब्रह्मचारी विज्ञानाचार्य पंडित संजीव भैया जी के निर्देशन में जैन समाज के 3 वर्ष से अधिक के अविवाहित बालक बालिकाओं के लिए संस्कार महोत्सव का आयोजन कर सुसंस्कार दिये गये।

प्रथम जैन वीरांगना "रानी अब्बक्का चौटा" की स्मृति में श्रमण संस्कृति संस्थान के कन्या महाविद्यालय में 15 दिसम्बर को होगी संगोष्ठी

जयपुर. शाबाश इंडिया

एक जैन वीरांगना "रानी अब्बक्का चौटा" जिसने 500 साल पहले पुर्तगालियों को नाको चने चबवा दिए थे । उस रानी की स्मृति में भारत सरकार ने 15 जनवरी 2003 को कवर जारी किया था तथा 15 दिसंबर 2023 को रू 5/- मूल्य का यादगारी डाक टिकट जारी किया था । यह टिकट भारत की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी को राष्ट्रीय सम्मान प्रदान करने का प्रतीक है। जैन वीरांगना के भारत सरकार द्वारा किए गए इस सम्मान दिवस 15 दिसम्बर को यादगार बनाने के लिए श्रमण संस्कृति संस्थान के संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय सांगानेर जयपुर में एक संगोष्ठी आयोजित की जा रही है । अधिष्ठात्री शीला ड्योडा के अनुसार संगोष्ठी में मुख्य वक्ता - डॉ माधुरी जी जैन जयपुर होंगी । जैन वीरांगना के सम्मान में यह संगोष्ठी श्री अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महा समिति भारत तथा श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल व संयुक्त महिला संभाग द्वारा आयोजित की जा रही है ।

“मां से बढ़कर कोई नहीं”

मातृ-पितृ पूजन ने भावविभोर किया, माथुर वैश्य इंटरनेशनल लश्कर क्लब का पारिवारिक मिलन समारोह

ग्वालियर/अंबाह. शाबाश इंडिया

मां से बड़ा कोई शब्द नहीं, मां से बड़ी कोई शख्सियत नहीं– इसी भावना को केंद्र में रखते हुए माथुर वैश्य इंटरनेशनल लश्कर क्लब ग्वालियर का भव्य पारिवारिक मिलन समारोह नागा जी बैंक्वेट, सागर ताल रोड, आनंद नगर बहोड़ापुर में सनातन परंपराओं के अनुरूप ईश वंदना के साथ आरंभ हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजनों ने सहभागिता कर पारिवारिक एकता, सेवा और संस्कारों का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट प्रमोद गुप्ता मौजूद रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्योगपति लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा मंडल मंत्री राजीव गुप्ता, पूर्व गवर्नर इंजीनियर एस.एन. गुप्ता और दीपक गुप्ता, आर्किटेक्ट आशीष गुप्ता, अनूप गुप्ता, तृतीय वाइस गवर्नर राजकुमार गुप्ता, श्रीमती ममता गुप्ता, गिर्राज गुप्ता, चन्द्रशेखर गुप्ता, रमेश चन्द्र गुप्ता, वेद प्रकाश गुप्ता और शिवशंकर गुप्ता सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पारिवारिक मिलन की इस परंपरा को समाज की मजबूती का आधार बताया। समारोह का सबसे हृदयस्पर्शी क्षण मातृ-पितृ पूजन रहा, जिसमें सदस्यों ने अपने माता-पिता का चंदन टीका कर, माल्यार्पण, श्रीफल और गरम शाल ओढ़ाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस भावपूर्ण दृश्य ने उपस्थित जनों को भावुक कर दिया और सदन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इसके साथ ही गौमाता एवं पशुझपक्षी सेवा, भोजन प्रसादी वितरण और अन्य सामाजिक कार्यों में निरंतर सेवा देने वाले बंधुओं का सम्मान भी किया गया। उन्हें सम्मान स्वरूप शाल, श्रीफल, माल्यार्पण और उपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम के मध्य ''परिग्रहण संस्कार दिवस'' के अवसर पर सदस्यों द्वारा मंगल गीत, पुष्प वर्षा और वर-वधु का माल्यार्पण कराया गया, जिसने सभी को पुरानी स्मृतियों में ले जाकर भावनाओं से भर दिया। क्लब के ऊर्जावान सचिव राकेश गुप्ता ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि बीते 11 महीनों में क्लब द्वारा कुल 115 सेवा कार्य किए गए, जिनमें गौ सेवा, भोजन वितरण, धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन और सामाजिक सहायता जैसे कार्य प्रमुख रहे। प्रतिवेदन के दौरान ''जय श्री राम'' और ''गौमाता के जयकारों'' से वातावरण गुंजायमान हो उठा। समिति के अध्यक्ष एम.वी. शिव नारायण गुप्ता ने सभी अतिथियों, मातृशक्ति और समाजबंधुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। सेवा प्रमुख राम मोहन गुप्ता, कोषाध्यक्ष विक्की गुप्ता, गौ सेवा प्रमुख दिनेश गुप्ता, भोजन प्रसादी प्रमुख अनिल गुप्ता और धार्मिक-सांस्कृतिक सेवा प्रमुख भारत गुप्ता सहित सभी कर्तव्यनिष्ठ सदस्यों को भी मंच से आभार प्रकट किया गया। पूरे कार्यक्रम का संचालन प्रदीप गुप्ता 'समर्पण' ने मंचीय गरिमा और सनातन संस्कृति के अनुरूप किया, जिससे समारोह में गरिमामय आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

जैसवाल जैन सेवा न्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष का निर्वाचन 14 को

न्यासियों की बैठक में महत्वपूर्ण विषयों पर होगी चर्चा

मुरैना/आगरा (मनोज जैन नायक)

जैसवाल जैन उपरोचियां सेवा न्यास ट्रस्ट परिवार की समस्त न्यासियों की आगामी सभा 14 दिसम्बर को आगरा में होने जा रही है । जिसमें आगामी कार्यकाल के लिए अध्यक्ष का निर्वाचन होगा। अखिल भारतीय श्री दिगम्बर जैसवाल जैन उपरोचियां सेवा न्यास ट्रस्ट के महामंत्री सीए कमलेश जैन गुरुग्राम द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार जैसवाल जैन समाज की सेवाभावी संस्था सेवा न्यास ट्रस्ट परिवार के समस्त न्यासियों की सभा का आयोजन नारायण भवन, एम डी जैन इंटर कॉलेज, हरीपर्वत आगरा में रविवार 14 दिसंबर को प्रातः 10 बजे रखा गया है। उक्त सभा में पिछली मीटिंग की मिनट्स अप्रूव कराना, महिला सशक्तिकरण एवं सम्मान योजना पर विचार, प्रतिभा सम्मान 2025 पर चर्चा एवं न्यास के आगामी कार्यकाल के लिए अध्यक्ष का निर्वाचन आदि प्रमुख विषयों पर विचार विमर्श होगा । सभा में अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर भी चर्चा की जा सकती है । सभा की सूचना सभी न्यासियों को भेजी जा चुकी है। सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रदीप जैन (पीएनसी) आगरा ने सभी न्यासियों को व्यक्तिगत रूप से लिखे पत्र में सभा में यथासमय, यथास्थान उपस्थिति होने की अपील की है । उन्होंने पत्र में लिखा है कि उक्त सभा में अनेकों महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के साथ ही सेवान्यास के नये अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया भी होगी। चूंकि मेरे अध्यक्ष बने हुए काफी समय हो चुका है, इसलिए मेरे स्थान पर नये अध्यक्ष का चुनाव होना अति आवश्यक है । अतः उक्त मीटिंग में आप सभी की उपस्थिति अति आवश्यक है ताकि आप सबके बीच से ही एक नये अध्यक्ष का चुनाव होने में सुगमता रहेगी। अतः मीटिंग में अवश्य पधारने की कृपा करें। मैं आपका आभारी रहूंगा । सेवा न्यास परिवार के मीडिया प्रभारी मनोज जैन नायक मुरैना ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार 14 दिसम्बर को प्रातः 10 बजे से एम डी जैन इंटर कॉलेज आगरा में आयोजित सभा में अजमेर, आगरा, दिल्ली, धौलपुर, राजाखेड़ा, मनियां, शमशाबाद, ग्वालियर, मुरैना, अम्बाह, सूरत, कोलकाता सहित देशभर से न्यासियों के सम्मिलित होने की संभावना हैं। बैठक में सम्मिलित होने वाले सभी न्यासियों की आवास एवं भोजनादि की समुचित व्यवस्था रखी गई है।

तीर्थ की वंदना भक्ति भाव से करें ना कि दिखावे से तभी यह फलदाई है: आचार्य विनीत सागर महाराज

कामा. शाबाश इंडिया। कामवन के विजयमती त्यागी आश्रम में विराजमान दिगंबर जैन आचार्य विनीत सागर महाराज ने तीर्थ वंदना का फल विस्तार से बताते हुए कहा कि तीर्थ वंदना भाव सहित करने से ही फल की प्राप्ति होती है। तीर्थों की भाव सहित वंदना करने से मन शुद्ध होता है, पापों का नाश होता है, आत्मिक शांति और शक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि तीर्थ वंदना से सद्गुणों की प्राप्ति के साथ साथ जीवन भी सफल बनता है। तीर्थों की वंदना करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।लेकिन यह फल केवल सच्ची श्रद्धा और विधि-विधान से की गई वंदना से ही मिलता है, न कि केवल दिखावे या स्वार्थवश करने से, जिसके लिए पैदल यात्रा, शुद्ध आहार और संयमित आचरण जरूरी है, ताकि मन में बुरे विचार न आएं और आत्मा का उत्थान हो सके। आचार्य ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे तीर्थ की वंदना पिकनिक के रूप में करते हैं जो की उचित नहीं है। तीर्थ पर पहुंचकर पहले भक्ति भाव से अर्ध आदि समर्पित करना चाहिए लेकिन वर्तमान में युवा सबसे पहले तीर्थ पर पहुंचकर फोटो खिंचवाने की होड़ में लग जाते हैं उससे वंदना के भाव स्वतः ही विकृत हो जाते हैं। जैन समाज के अध्यक्ष अनिल जैन के अनुसार अचार्य संघ शीतकालीन वाचना हेतु कामवन के विजय मती त्यागी आश्रम में विराजमान है जहां प्रतिदिन आहारचर्या व संध्याकालीन बेला में गुरु भक्ति के कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं।

पलवल प्रशासन: नियम किताबों में, नींद तकियों में और जनता शोर में पिस रही है!

पलवल प्रशासन में आखिर कोई ज़िंदा है भी या नहीं? आदेश तो बड़े फख्र से जारी कर दिया कि रात 10 बजे के बाद डीजे नहीं बजेगा लेकिन जमीन पर हालात देखकर लगता है कि इस आदेश को शायद प्रशासन ने अपने डेस्क की सजावट के लिए जारी किया होगा–क्योंकि अमल तो बिल्कुल भी नहीं दिखता। अब जनता सोच में डूब गई है–आदेश जनता के लिए था या प्रशासन के लिए नींद की लोरी? सड़क पर घूमने वाले मोबाइल डीजे ऐसे लगते हैं जैसे किसी ने ''चलता-फिरता भूकंप'' बुक कर लिया हो। इतनी तेज बेस होती है कि घर की खिड़कियाँ, दरवाजे, पंखे, फोटो-फ्रेम–सब ऐसे थरथराते हैं जैसे इमारत कह रही हो, भाई, मैं गिरना नहीं चाहती, पर इन डीजे वालों ने मेरा हिलना तय कर दिया है! हार्ट के मरीज रात को ऐसे जाग जाते हैं मानो किसी ने उनकी छाती में सबवूफर फिट कर दिया हो। बच्चों को लगता है कि रात में 'भूत अंकल' घूम रहे हैं। छात्रों की हालत ऐसी हो जाती है कि किताब खुलती है और दिमाग में पन्नों की जगह डीजे की 'धम-धम' चलने लगती है। पर प्रशासन? साहब तो सो रहे हैं वो भी इतनी गहरी नींद में कि शायद मोबाइल डीजे वाला उनके दफ़्तर के बाहर ही डांस कर ले, तब भी न उठें। ट्रैफिक पर भी इसका असर ऐसा है कि ड्राइवर को हॉर्न सुनाई नहीं देता, एम्बुलेंस साइड मांगती रह जाए और मोबाइल डीजे उसे अपने धुन से जवाब दे–सायरन बाद में, पहले बेस। अब अगर किसी की जान इस वजह से फँस जाए, तो ज़िम्मेदारी कौन लेगा? वो डीजे वाला जो खुद भी बेस की वजह से आधा बहरा हो चुका है या वो प्रशासन जो शायद इस उम्मीद में है कि जनता की समस्याएँ खुद ही चार्जिंग खत्म होने की तरह शांत हो जाएँगी? व्यंग्य तो यही कहता है कि प्रशासन का यह रवैया देखकर लगता है कि आदेश सिर्फ.इसलिए बनाया गया था कि शिकायत मिलने पर साहब कह सकें–देखिए, आदेश तो है लागू करवाना हमारा स्वास्थ्य अनुमति नहीं देता! मोबाइल डीजे सड़क पर ऐसे चलते हैं जैसे वे खुद प्रशासन के म्यूज़िक इंस्पेक्टर हों–और प्रशासन उन्हें सम्मान की सलामी दे रहा हो। सच कहें तो आज पलवल में दो ही चीजें रौब से चल रही हैं–एक मोबाइल डीजे और दूसरी प्रशासन की नींद। यदि यही हाल रहा, तो जनता को शायद एक दिन प्रशासन को जगाने के लिए खुद ही मोबाइल डीजे को लेकर इनके दफ़्तर के बाहर खड़ा होना पड़ेगा। शायद तेज बेस से कमरे की दीवारें हिलेंगी, और साहब लोग सोचेंगे–लगता है जनता नाराज है या फिर यह भी कोई नया त्योहार है? अब समय आ गया है कि पलवल प्रशासन आईने में देखे कि चेहरे पर शर्म दिखती है या सिर्फ.नींद की सूजन! जनता का धैर्य बहुत है, पर जब जनता जागती है तो बड़े-बड़े कुंभकर्णों की नींद टूट जाती है।

नितिन जैन, संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा), जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, मोबाइल: 9215635871

अल्प संख्यक मामलात विभाग के निदेशक एम डी मीना से समाज हित के मुद्दों को लेकर की मुलाकात

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन समाज के दो सदस्यीय शिष्ट मण्डल ने गुरुवार 11 दिसम्बर को समाज हित के मुद्दों पर चर्चा हेतु शिक्षा संकुल स्थित अल्पसंख्यक मामलात विभाग, राजस्थान के निदेशक कअर मातादीन मीना से मुलाकात की। शिष्ट मण्डल में राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष एवं राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा एवं श्री धर्म जागृति संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष पदम चन्द बिलाला शामिल थे। इस मौके पर जैन समाज की ओर से उनको भगवान आदिनाथ जन्मकल्याणक पर 22 मार्च का अवकाश घोषित करने की अभिशंषा राज्य सरकार को भिजवाने, जैन साधु संतों के विहार के दौरान प्रवास हेतु भूमि आवंटन की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने तथा अल्पसंख्यक समाज की शिक्षण संस्थाओं के अल्प संख्यक लाभों को प्राप्त करने हेतु पंजीकरण की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने सहित समाज हित के कई मुद्दों पर ज्ञापन देकर विस्तृत चर्चा की गई। श्री मीना ने सम्बन्धित अधिकारियों को सभी प्रकरणों का शीघ्रातिशीघ्र निस्तारण करवाने के निर्देश प्रदान किये। सौहार्द पूर्ण वातावरण में हुई इस मुलाकात में श्री मीना ने अल्पसंख्यक मामलात विभाग से समाज के सम्बंधित प्रकरणों में पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया। इस मौके पर जैन समाज की ओर से श्री मीना का सम्मान भी किया गया।

–विनोद जैन कोटखावदा

''जब खिचड़ी बर्तन में पकती है तो- बीमारी दूर होती है,और जब खिचड़ी दिमाग में पकती है तो- स्वस्थ भी बीमार हो जाता है''

आर्यिका 105 सुरम्य मति माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फॉर्म मानसरोवर में चल रहे आचार्य सुंदर सागर महाराज के प्रवास के दौरान गुरुवार को प्रातः 7:30 बजे श्री जी के प्रथम अभिषेक और शांति धारा बोली के माध्यम से की गई। प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा का पुण्यार्जन विनोद, सुनील झांझरी ने किया। प्रातः 8:30 बजे देशना सभागार पंडाल में गुरुदेव के संघ से आर्यिका 105 सुरमय मति माताजी के प्रवचन हुए। माताजी ने प्रवचन में कहा कि व्यक्ति को प्यास लगती है तो वो कुंए के पास जाता है ना कि कुआं प्यासे के पास आता है। उसी तरह जब जिनवाणी का पान करना होतो गुरुओं व साधु संतों के पास जाना चाहिए। हमारे भावों में जो उथल पुथल होती है वो संतों के पास जाने से शांत हो जाती है। उन्होंने कहा कि जब खिचडी बर्तन मे पकती है तो बीमारी दूर होती है। और जब खिचडी दिमाग में पकती है तो स्वस्थ व्यक्ति भी बीमार हो जाया करता है। समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि कार्यक्रम में चित्र अनावरण और दीप प्रज्वलन, शास्त्र भेंट का समाज श्रेष्ठी हेमराज, नीलू, आयुष छाबड़ा राजावास परिवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ। सभी

अतिथियों का तिलक माला से मंत्री कुणाल काला द्वारा स्वागत किया गया। प्रचार-प्रसार मुख्य समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक सायंकाल 6.00 बजे आगम युक्त शंका समाधान का भव्य कार्यक्रम हुआ। श्री जैन के मुताबिक शुक्रवार को प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद प्रातः 8.15 बजे से आचार्य सुन्दर सागर महाराज की दिव्य देशना होगी। **-विनोद जैन कोटखावदा**

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद में वार्षिक अकादमिक निरीक्षण सम्पन्न

नसीराबाद (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद में गुरुवार को केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर के सहायक आयुक्त माधो सिंह के नेतृत्व में वार्षिक अकादमिक निरीक्षण अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। निरीक्षण दल के अंतर्गत वरिष्ठ प्राचार्यों एवं उपप्राचार्यों नरेंद्र सिंह यादव, राजेश्वर सिंह, विनोद कुमार चौधरी, ओमप्रकाश जाखड़, विजेंद्र नागदा, दीपक जुनेजा, प्रदीप चौधरी तथा मुख्य अध्यापक त्रिलोकचंद शामिल रहे। निरीक्षण के उपरांत सहायक आयुक्त माधो सिंह ने विद्यालय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का केंद्र हैं, बल्कि शिक्षा में नवाचार, उत्तरदायित्व और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का नेतृत्व भी करते हैं। शिक्षकों का दायित्व केवल पढ़ाना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को अवसर, प्रेरणा और विश्वास देना है। विद्यालय तभी उत्कृष्ट कहलाता है जब उसकी हर कक्षा में सीखने का माहौल और हर शिक्षक में निरंतर सुधार की भावना दिखाई दे। उन्होंने संगठन के दृष्टिकोण क्वालिटी एजुकेशन विथ नेशनल कमिटमेंट को दोहराते हुए विद्यालय से अपेक्षित किया कि कक्षा-कक्षाओं में एक्टिव लर्निंग को बढ़ावा, शैक्षणिक रिकॉर्ड की पारदर्शिता, परिणामों में सतत सुधार और प्रत्येक विद्यार्थी की व्यक्तिगत सीखने की आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। निरीक्षण दल ने प्रार्थना सभा से लेकर कक्षाओं तक विभिन्न गतिविधियों–

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया

सीसीए व क्लब गतिविधियां

प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, खेल सुविधाएं

रिकॉर्ड संधारण एवं दस्तावेजीकरण

विद्यार्थियों का अनुशासन, सहभागिता एवं प्रस्तुति

का बारीकी से अवलोकन किया। दल ने विद्यालय में चल रही नवाचारी शिक्षण पद्धतियों, विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और सह-शैक्षिक सक्रियता की सराहना की। साथ ही शिक्षकों को विषय-ज्ञान, कक्षा प्रबंधन, प्रश्नोत्तरी आधारित शिक्षण और परिणाम सुधार के लिए कई रचनात्मक सुझाव भी दिए। निरीक्षण दल ने रवैये, कार्य-संस्कृति और शैक्षणिक प्रतिबद्धता को विद्यालय की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए कहा कि टीमवर्क और परस्पर सहयोग की संस्कृति विद्यालय की मजबूती है, डिजिटल टूल्स, ब्लू प्रिंट आधारित मूल्यांकन और विषय-विशेष योजना को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

एफ एल एन क्लस्टर कार्यशाला का आयोजन

नसीराबाद (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

पीएम श्री राजकीय व्यापारिक उच्च माध्यमिक विद्यालय नसीराबाद, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय नसीराबाद एवं महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खाटाओली नसीराबाद में कक्षा 1 से 5 हिंदी एवं पर्यावरण के विषयाअध्यापकों का एफ एल एन क्लस्टर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रधानाचार्य सूरज देवी चौहान ,कार्यवाहक प्रधानाचार्य अशोक हिनुनिया, प्रधानाचार्य गुमान सिंह जादौन,दक्ष प्रशिक्षक संजय बाकलीवाल व्याख्याता, दक्ष प्रशिक्षक सूर्य देव व्याख्याता एवं दक्ष प्रशिक्षक सुल्तान खोकर वरिष्ठ अध्यापक ने सरस्वती माता का माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर पंचायत समिति श्रीनगर के प्राथमिक कक्षाओं को अध्यापन कराने वाले अध्यापकों का मार्गदर्शन प्रदान किया गया एवं शिक्षक एप, निपुण राजस्थान,प्रखर -2 राजस्थान और आर एफ,एन ई पी 2020 ,एबीएल गतिविधि, सम्बलन एप एवं इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के विद्यालय में आकलन एवं मूल्यांकन के बारे में चर्चा की गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक–ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई–मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

गुरुदेव पुलक सागर महाराज की दीक्षा जयंती का पावन उत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। पुलक मंच (शाखा जयपुर शहर) द्वारा गुरुदेव पुलक सागर महाराज की दीक्षा जयंती का पावन उत्सव 11 दिसम्बर को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। सम्पूर्ण वातावरण गुरु भक्ति से ओत-प्रोत रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सारिका जैन के कर कमलो द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुई। सभी सम्मानित अतिथियो का तिलक, माला, दुपट्टा पहना कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथि के रूप में अशोक खंडाका, सतीश खंडाका, मुकेश जैन ब्रह्मपुरी एवं सुधीर पाटनी की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी सदस्यों ने भावपूर्ण स्वर में गुरुदेव का गुणगान, गुरु प्रार्थना एवं भक्ति रस से भरे स्तुतिगान प्रस्तुत किए, जिन्होंने पूरे समारोह को अध्यात्ममय बना दिया। अध्यक्षा श्रीमती इंद्रा बडजात्या ने अत्यंत सुन्दर व प्रभावी रूप से मंच संचालन व गुरु विधान संपन्न कराया। गुरुदेव की प्रेरणादायी जीवनी पर रोचक सरप्राइज प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई, जिसने सभी में उत्साह भर दिया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में महामंत्री सुनीता अजमेरा ने पूर्ण समर्पण के साथ योगदान दिया। सहयोग देने वाली सम्मानित सदस्यों–विद्युत लुहाड़िंया, बीना शाह, आशा लुहाड़िंया, मधू जैन, सुधा टोंगिया एवं कार्यक्रम संयोजक निर्मला काला, कुसुम बज, शांति जैन, मंजू अग्रवाल का विशेष सराहनीय योगदान रहा। पारितोषिक वितरण रत्ना जैन द्वारा विनम्रता से किया गया। कार्यक्रम में मंच से जुड़े नए सदस्यों का भी तिलक लगाकर सम्मान किया गया। सभी महिलाओं ने तन-मन-धन से कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी सहयोग दिया।

"देव भूमि उत्तराखंड की पवित्र नगरी हरिद्वार में वैदिक प्रकाशन ने 60 साहित्यकारों को वैदिक रामानुज वार्षिकी सम्मान 2025 से किया सम्मानित"

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 7 दिसंबर 2025 को हरिद्वार उत्तराखंड में वैदिक प्रकाशन द्वारा भव्य साहित्यिक सम्मान समारोह एवं पुस्तक विमोचन का आयोजन किया गया जिसमें 16 साझा संकलन एवं एकल पुस्तिकाओं का विमोचन हुआ तथा 60 साहित्यकारों को वैदिक रामानुज वार्षिकी सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का कुशल संचालन आदरणीय अभिषेक मिश्रा, आदरणीय सुनील सैनी सीना और गोरखपुर की युवा कवयित्री एवं लेखिका आदरणीया हिना कौसर गोरखपुरी जी के द्वारा किया गया जिन्होंने शुरू से अंत तक सभी को एक सूत्र में पिरोये रखा और अपने शानदार संचालन से इस कार्यक्रम में चारचाँद लगा दिया। इस सम्मान समारोह में मुख्य रूप से उपस्थित गणमान्य अतिथि और इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वालों में वैदिक प्रशासन की वरिष्ठ सलाहकार आदरणीय अंजलि सारस्वत, समन्वयक आदरणीय नीतू कुमारी, प्रबंधक गौरव मिश्रा, प्रकाशक प्रशस्ति सचदेव एवं सह प्रकाशक राधा मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित थे। इन सभी लोगों के हाथों से सभी साहित्यकारों एवं रचनाकारों को साहित्य में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह में पुस्तक विमोचन एवं सम्मान के साथ-साथ विभिन्न कलाकारों एवं वक्ताओं ने अपनी अपनी कला एवं विचारों से सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आदरणीय अंजलि सारस्वत शर्मा जी के मधुर ईश वंदन के साथ हुआ जिससे पूरा सदन भक्तिमय हो गया। इसके बाद 16 पुस्तिकाओं का विमोचन किया गया। फिर बाल कलाकारों में वेदांत मिश्रा और वरेन्या ने अपनी कविताओं से अपने भाव सभी तक पहुंचाए। बाल कलाकारों में तन्वी, वृना और अनाया ने अद्भुत नृत्य प्रस्तुत किया जिसे सभी ने बहुत पसंद किया। कार्यक्रम के तीनों संचालक अभिषेक मिश्रा, सुनील सैनी एवं हिना कौसर गोरखपुरी ने अपने शानदार संचालन से सभी को अपनी ओर आकर्षित किया और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूरा योगदान दिया जिससे यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो पाया। कार्यक्रम के अंत में वैदिक प्रकाशन की संस्थापक एवं प्रकाशक आदरणीया प्रशस्ति सचदेव एवं मीडिया प्रभारी अरुण राठौर ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी साहित्यकारों, रचनाकारों अतिथियों एवं तीनों संचालकों का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

गायत्री नगर में आचार्य पुलक सागर जी महाराज का 31वां दीक्षा दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य भारत गौरव, राष्ट्र संत आचार्य श्री पुलक सागर जी महाराज के 31 वें दीक्षा दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत 11 दिसंबर को श्री दिगंबर जैन मंदिर , आदिनाथ भवन महारानी फार्म जयपुर में पुलक मंच गायत्री नगर महारानी फार्म के तत्वावधान में आचार्य पुलक सिंधु विधान विधान विधानाचार्य पंडित अजीत शास्त्री जी के निर्देशन में भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। पुलक मंच परिवार की राष्ट्रीय महामंत्री बीना टोंग्या ने अवगत कराया कि पूज्य गुरुदेव के दीक्षा दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत आचार्य पुलक सिन्धु विधान 11 दिसंबर को व 12 दिसंबर को सीके बिडला हॉस्पिटल जयपुर में 10:30 बजे से हेल्थ अवेयरनेस टॉक रखी है जिसके मुख्य वक्ता डॉक्टर राहुल शर्मा कार्डियोलॉजी हेल्थ 'हेल्दी हार्ट' पर प्रकाश डालेंगे। इस अवसर पर पुलक मंच परिवार द्वारा मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबडा व विधानाचार्य अजीत शास्त्री का सम्मान किया गया। धार्मिक मंत्री अनिता बडजात्या ने अवगत कराया कि आचार्य पुलक सिंधु विधान में सैकड़ों महिला-पुरुषों ने भाग लिया। प्रथम वलय में 3 गुप्ती, 5 पंचाचार के 8 अर्घ्य , द्वितीय वलय के छः आवश्यक के 6, तृतीय वलय 10 लक्षण धर्म के दश, चतुर्थ वलय तप के 12 अर्घ्य, पंचम वलय प्रख्याति यथा भारत गौरव ,राष्ट्र संत, विश्व संत ,शांति दूत, कवि हृदय ,मनोज्ञ मुनि, प्रखर वक्ता , वात्सल्य मूर्ति, निर्ग्रन्थ पथिक,जिन शरणं तीर्थ प्रणेता आदि के 10 अर्घ्य इस प्रकार कुल 46 अर्घ्य मांडला पर चढ़ाकर विधान पूजा बड़े ही भक्ति भाव के साथ की। पूजा विधान मंजू सेवा वाली व सुनंदा अजमेरा द्वारा मधुर वाणी से संपन्न करवायीं। इस अवसर पर अनिल टोंग्या, अनिल गदिया बयाना वाले , उदयभान जैन राष्ट्रीय महामंत्री युवा परिषद, कमल जैन मालपुरा वाले ,अजीत छाबड़ा, निर्मल सेठी आदि श्रेष्ठी, पुलक मंच के कोषाध्यक्ष सुरेश जैन, महामंत्री रेखा झांझरी, सुधा लुहाड़िया, संगीता जैन डीमापुर वाले विशेष रूप से उपस्थित थे। सभा का संचालन बीना टोंग्या द्वारा किया गया। प्रेषक: उदयभान जैन जयपुर: मो-94143-06696

दिसंबर 2025में नए केंद्र खोलने के अभियान के फ्लायर तथा महावीर प्रवाह के करुणा एवं जीव दया विशेषांक का लोकार्पण...

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल द्वारा दिसंबर माह में 100केंद्र खोलने के अभियान के नवीन प्लान ओर उससे संबंधित फ्लायर का लोकार्पण अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन ने किया। महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय डायरेक्टर नॉलेज शेयरिंग एवं ई चौपाल अजीत कोठिया ने बताया की बुधवार की ई चौपाल में सीमा शील कुमार जैन इंटरनेशनल डायरेक्टर केंद्र विकास एवं सदस्यता ने योजना का परिचय प्रस्तुत कर सभी जोन चेयरमैन एवं रीजनल चेयरमैन का आह्वान कर दिसंबर माह में 100नए केंद्र स्थापित करने में सहयोग कर अबकी बार पांचसो पार का लक्ष्य साधने का आग्रह किया। अंतरराष्ट्रीय महासचिव सोहनलाल वैद्य ने नए केंद्र खोलने पर एपेक्स द्वारा जारी आर्थिक सहयोग एवं प्रोत्साहन योजना पर भी सूचनाएं दी। इसी क्रम में एम आई के मासिक मुक्त पत्र महावीर प्रवाह के करुणा एवं जीव दया विशेषांक का लोकार्पण अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सी ए अनिल जैन ने डिजिटली किया। प्रधान संपादिका वीर शिल्पा बंब ने पत्रिका का परिचय दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम संचालन करते हुए अजीत कोठिया ने कहा कि जिस तरह क्रिकेट में खेल के तीन प्रारूप ट्वेंटी ट्वेंटी, वन डे इंटरनेशनल तथा टेस्ट मैच है उसी मानिंद महावीर इंटरनेशनल में भी केंद्रों ओर आम जन तक सूचनाओं ओर गतिविधियों के संप्रेषण के लिए महावीर प्रवाह एक्सप्रेस साप्ताहिक, महावीर प्रवाह मासिक ओर महावीर प्रवाह त्रैमासिक पत्रिका प्रारूप उपलब्ध कराए जाते हैं।